केन्द्रीय आम बजट : 2019-20

देश की पहली महिला वित्त मंत्री **निर्मला सीतारमण** ने 5 जुलाई, 2019 को वित्त वर्ष 2019-20 के लिए **27 लाख 86 हजार 349 करोड़** रूपये का केन्द्रीय आम बजट प्रस्तुत किया। यह मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का पहला बजट था। पहली बार बजट को **बहीखाता** नाम दिया गया है। बुनियादी ढ़ाँचे का विकास, भारत का **5000 अरब डॉलर** वाली अर्थव्यवस्था बनाने की परिकल्पना, किसान कल्याण और जल सुरक्षा इस बजट की मुख्य बातें है।

केन्द्रीय बजट 2019-20 : परीक्षोपयोगी महत्त्वपूर्ण बिन्दु

- भारतीय अर्थव्यवस्था इस वर्ष में **$3 ट्रिलियन** हो जाने का अनुमान है। वर्तमान में भारत **छठी बड़ी** अर्थव्यवस्था है। क्रय शक्ति समता की दृष्टि से यह अमेरिका और चीन के बाद **तीसरी** बड़ी अर्थव्यवस्था है।
- बजट में चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा **3.6 प्रतिशत** रहने का अनुमान व्यक्त किया गया है।
- व्यक्तिगत आयकर की दरों में कोई परिवर्तन इस बजट में नहीं किया गया है एवं **5 लाख रूपये** तक की आय कर मुक्त बनी रहेगी।
- लोग पैन की जगह **आधार** से भी अपना इनकम टैक्स रिटर्न भर पाएंगे।
- 45 लाख रूपये तक का घर खरीदने पर 31 मार्च, 2020 तक की अवधि हेतु **1.5 लाख** की अतिरिक्तं टैक्स छूट दी जायेगी। 15 साल की ऋण अवधि पर लगभग **7 लाख रूपये** का लाभ होगा।
- बैंक खाते से सालाना 1 करोड़ से अधिक की नकदी निकासी पर **2% TDS** लगेगा।
- 2-5 करोड़ सलाना आय वालों को **3%** अतिरिक्त सरचार्ज देना होगा।
- 5 करोड़ से ज्यादा सलाना आय वालों पर **7%** अतिरिक्त सरचार्ज लगेगा।
- प्रत्यक्ष कर **6.38 लाख करोड़** से बढ़कर **11.37 लाख करोड़** हुआ।
- 400 करोड़ रूपये की टर्नओवर वाली कंपनियों पर **25%** कॉरपोरेट टैक्स लगेगा। यानी **99.3 प्रतिशत कंपनियाँ** इस दायरे में आ जाएँगी।
- इलेक्ट्रिक व्हीकल खरीदने के लिए अगर कर्ज लिया गया है तो उसका ब्याज चुकाने पर आयकर में **1.5 लाख** का अतिरिक्त टैक्स छूट मिलेगा।
- आम नागरिकों के इस्तेमाल के लिए जल्द ही **1, 2, 5, 10 और 20** रूपये के नये सिक्के जारी किए जायेंगे।
- ऋण क्षमता बढ़ाने के लिये सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को **70 हजार करोड़ रूपये** उपलब्ध कराये जाएँगे।
- **1.5 करोड़** रूपये से कम कारोबार वाले देश की **3 करोड़** खुदरा व्यापारियों और दुकानदारों को **प्रधानमंत्री कर्मयोगी मानधन पेंशन योजना** का लाभ दिया जाएगा।
- **स्फूति** के अंतर्गत 100 नए क्लस्टर बनाये जाएंगे। इससे 50,000 हजार दस्तकार आर्थिक मूल्य श्रृंखला से जुड़ सकेंगे।
- NPA पिछले साल 1 लाख करोड़ था। IBC और अन्य कदमों के चलते **4 लाख करोड़** NPA की वसूली हुई।
- अब NRI को भारत आते ही आधार कार्ड देने की सुविधा मिलेगी, साथ ही अब उन्हें **180 दिनों** तक भारत में रहने की जरूरत नहीं होगी।
- उज्जवला योजना के तहत **35 करोड़** LED बल्ब बांटे गए, जिससे **18341 करोड़ रुपये** की वार्षिक बचत हुई।
- अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए **'नारी तू नारायणी'** नाम से समिति बनाने का प्रस्ताव।
- **जनधन खाता** वाले स्वयं सहायता समूह की महिला सदस्य को 5000 **रुपये की ओवर ड्रॉफ्ट** की सुविधा दी जायेगी।
- स्वयं सहायता समूह में प्रत्येक महिला **मुद्रा योजना** के तहत **1 लाख** रुपये तक का ऋण लेने के लिए पात्र होगी।
- **स्टैंड अप इंडिया** के अंतर्गत महिलाओं, एससी/एसटी उद्यमियों को मदद की जायेगी।
- **2022** तक गांव के हर परिवार के पास बिजली और एलपीजी कनेक्शन।
- मीडिया, ऐविएशन जैसे क्षेत्रों में **FDI** निवेश बढ़ाने पर विचार।
- भारत में सालाना **ग्लोबल इनवेस्टमेंट मीट** का आयोजन किया जायेगा।
- जीएसटी पंजीकृत अति लघु, लघु और मध्यम उद्यमों (MSME) को ब्याज में **दो प्रतिशत** की छुट के लिए के लिए **350 करोड़** का आवंटन।
- **97%** लोगों को हर मौसम में मिलेगी सड़क।
- शिक्षा क्षेत्र हेतु **94,853 करोड़ रूपये** आवंटित।
- विश्वस्तरीय शिक्षण संस्थानों के लिए **400 करोड़ रूपये** का प्रावधान।
- उच्च शिक्षा में विदेशी छात्रों के लिए **स्टडी इन इंडिया** कार्यक्रम।
- स्कूली एवं उच्च शिक्षा में बदलाव करने हेतु **राष्ट्रीय शिक्षा नीति** बनेगी।
- बेटियों को शिक्षा से जोड़ने के लिए बजट में **368.20 करोड़ रूपये** रखा गया है।
- रक्षा क्षेत्र हेतु **3.18 लाख करोड़ रूपये** आवंटित। आवंटित कुल राशि में से **1,08,248 करोड़** नये हथियारों, प्लेटफॉर्मो और सैन्य हार्डवेयर की खरीद के लिए पूंजीगत व्यय हेतु निर्धारित किए गये है।
- **नेशनल रिसर्च फाउंडेशन** बनाया जाएगा, ताकि रिसर्च को बढ़ावा दिया जा सके। **रिसर्च सिस्टम** को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा।
- खेलो इंडिया स्कीम का विस्तार किया जायेगा। इस योजना के अंतर्गत खिलाड़ियों के विकास के लिए **राष्ट्रीय खेल बोर्ड** स्थापित किया जायेगा।
- स्टार्टअप के लिए **नए चैनल शुरू** करने की योजना। स्टार्टअप के लिए **डीडी के चैनलों** पर विशेष कार्यक्रम का प्रसारण किया जायेगा।
- कृषि क्षेत्र हेतु **1,51,518 लाख करोड़ रूपये** आवंटित।
- प्रधानमंत्री किसान योजना हेतु **75000 करोड़ रूपये** आवंटित।
- अन्नदाता (किसान) को **ऊर्जादाता** बनाने के कार्यक्रम तैयार किए जाएंगे।
- अगले 5 वर्षों में **10,000** नए किसान उत्पादक संगठन बनाए जाएंगे।
- **जीरो बजट फार्मिंग** के जरिए किसानों की आमदनी दोगुनी करने का प्रस्ताव दिया गया है।

Scanned by CamScanner

- इज ऑफ डूइंग बिजनेस और इज ऑफ लिविंग **किसानों** पर लागू होगी। **मत्स्यपालन** को कृषि में शामिल किया गया है।
- स्वास्थ्य क्षेत्र हेतु बजट में **62,659 करोड़ रूपये** आवंटित किया गया है।
- प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना हेतु **6400 करोड़** आवंटित किया गया है।
- **प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी)** के तहत लगभग **81 लाख** घरों के निर्माण के लिए **4.8 लाख करोड़ रूपये** की निवेश को मंजूरी दी गई। इनमें 47 लाख घरों का निर्माण कार्य शुरू हुआ।
- **95 प्रतिशत** से अधिक शहरों को भी खुले में शौच मुक्त घोषित किया गया।
- 2 अक्टूबर, 2019 को गांधी दर्शन में **राष्ट्रीय स्वछता केंद्र** का उद्घाटन किया जाएगा।
- लगभग **30 लाख** कामगार प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना में शामिल हो गये है।
- पीपीपी को प्रोत्साहित करने और तेजी से पूरा करने के लिए **मेट्रो रेल** की पहल को बढ़ाया जायेगा।
- देश में **657 किलामीटर** का मेट्रो रेल नेटवर्क चालू हो गया है।
- नया **जलशक्ति मंत्रालय** एक समन्वित और समग्र रूप से हमारे जल संसाधनों और जल आपूर्ति के प्रबंधन की देखरेख करेगा।
- **2024** तक सभी ग्रामीण घरों में पानी की आपूर्ति की जाएगी।
- जलशक्ति अभियान के लिए 256 जिलों के **1592 खंडो** की पहचान की गई है।
- अब तक **9.6 करोड़** शौचालयों का निर्माण किया गया है।
- **5.6 लाख** से अधिक गाँवों को खुले में शौच से मुक्त बनाया गया है।
- **2 अक्टूबर, 2019** को भारत खुले में शौच से मुक्त हो जायेगा।
- **2 करोड़ से अधिक** ग्रामीणों को डिजिटली रूप से साक्षर बनाया गया।
- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तीसरे चरण के तहत, अगले पांच वर्षों में **1.25 लाख किलोमीटर सड़क** का निर्माण किया जायेगा। परियोजना लागत **80,200 करोड़ रुपये** से अधिक अनुमानित है।
- अगले पाँच सालों में ग्रामीण सड़कों के निर्माण में तकनीक का इस्तेमाल कर **कार्बन मुक्त** बनाया जायेगा।
- सरकार वर्ष 2022 तक **1.95 करोड़** गरीब परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर उपलब्ध करायेगी। पिछले 5 साल में **1.5 करोड़** गरीब परिवारों को मकान उपलब्ध कराये गये। इससे पहले 2016-16 में जहाँ ऐसे मकान बनाने में 314 दिन लगते थे, वर्ष 2017-18 में यह घटकर **114 दिन** रह गया है।
- अगले 5 वर्ष में बुनियादी ढांचा में **100 लाख करोड़** रूपये का निवेश किया जायेगा।
- सरकार ने वित्त वर्ष 2019-20 के लिये विनिवेश के जरिये **1,05,000 करोड़ रूपए** प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है।
- प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में पिछले तीन साल के दौरान गिरावट आने के बावजूद भारत में **6 प्रतिशत बढ़कर 64 अरब डॉलर** से अधिक रहा है।
- इन्फ्रास्ट्रक्चर डेब्ट फंडों में ऋण प्रतिभूतियों में एफआईआई और एडीआई द्वारा निवेश की अनुमति दी जायेगी। सूचीबद्ध कंपनियों में न्यूनतम सार्वजनिक हिस्सेदारी **25% से बढ़ाकर 35%** की जा सकती है।
- एक कंपनी में FPI पर सीमा 24% तक बढ़ गई।
- पूंजी और इक्विटी और ऋण जुटाने के लिए सामाजिक और स्वैच्छिक संगठनों के लिए एक **सामाजिक स्टॉक एक्सचेंज** प्रस्तावित है।
- बीमा बिचौलियों के लिए **100%** एफडीआई। एकल-बॉन्ड के रिटेल क्षेत्र में एफडीआई के लिए स्थानीय सोर्सिंग मानदंड आसान किए जाएंगे।
- **17 करों** (Tax) और **13 उपकरों** (Cesses) जीएसटी के तहत एक टैक्स बन गए हैं।
- सरकार **एमएसएमई** को बिलों का भुगतान करने और समय बचाने में सक्षम बनाने के लिए एक भुगतान मंच बनाएगी।
- सरकार **राष्ट्रीय राजमार्ग कार्यक्रम** का पुनर्गठन करेगी। भारतमाला के दूसरे चरण में, राज्य राजमार्गों को विकसित करने में राज्यों की मदद की जाएगी।
- रेलवे स्टेशन **आधुनिकीकरण** के लिए एक बड़े पैमाने पर कार्यक्रम शुरू किया जाएगा।
- बजट में रेलवे हेतु **65,837 करोड़ रूपये** आवंटित किया गया है।
- **2018 और 2030** के बीच रेलवे के बुनियादी ढांचे के लिए **50 लाख करोड़ रु.** के निवेश की आवश्यकता होगी, जिसके लिए **पीपीपी मॉडल** तैयार किया जायेगा, जोकि तेजी से विकास और यात्री माल सेवाओं के वितरण में मदद के लिए होगा।
- **उच्च शिक्षा आयोग** की स्थापना के लिए मसौदा कानून इस वर्ष के अंत में प्रस्तुत किया जाएगा। कौशल विकास योजना के तहत **10 मिलियन युवाओं** को उद्योग-संबंधित कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा।
- सोना और अन्य कीमती धातुओं पर कस्टम ड्यूटी 10% से बढ़ाकर 12.5% किया गया है।
- **पेट्रोल और डीजल** के दाम में **1 रूपये प्रति लीटर** की दर से बढ़ाया गया है।

केंद्र सरकार का व्यय

2019-20 के लिए बजट अनुमान (₹ करोड़ में)

मद		मद	
पेंशन	1,74,300	ब्याज	6,60,471
रक्षा	3,05,296	आईटी और दूरसंचार	21,783
प्रमुख सब्सिडी	3,01,694	योजना एवं सांख्यिकी	5,814
कृषि और संबद्ध कार्यकलाप	1,51,518	ग्रामीण विकास	1,40,762
वाणिज्य और उद्योग	27,043	वैज्ञानिक विभाग	27,431
पूर्वोत्तर का विकास	3,000	सामाजिक कल्याण	50,850
शिक्षा	94,854	कर प्रशासन	1,17,285
ऊर्जा	44,638	राज्यों को अंतरण	1,55,447
विदेश मामले	17,885	परिवहन	1,57,437
वित्त	20,121	संघ राज्य क्षेत्र	15,098
स्वास्थ्य	64,999	शहरी विकास	48,032
गृह	1,03,927	अन्य	76,665
		कुल जोड़	27,86,349

PIB/KBK

Scanned by CamScanner